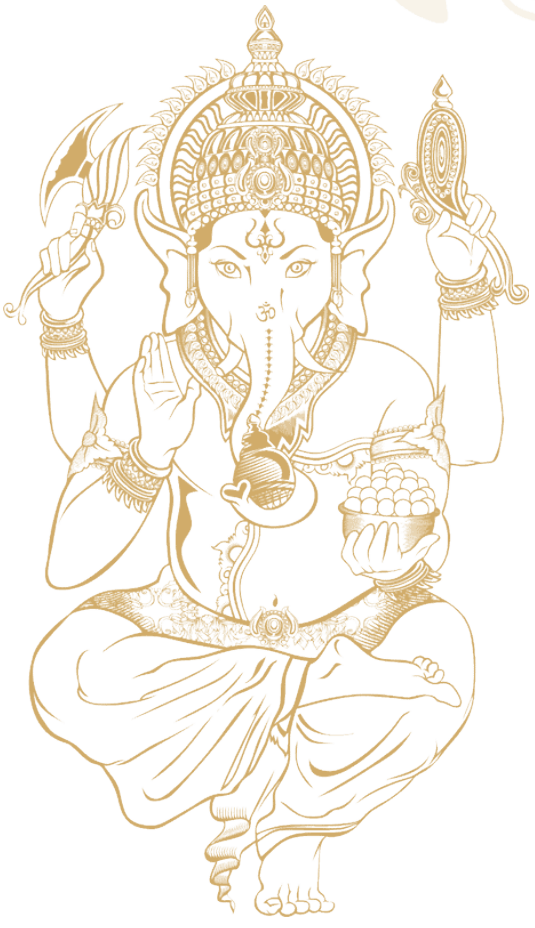

Raghvendra Gautam

Vidhushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121434304

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/11/1997	जन्म तिथि	12-13/11/2000
गुरु-शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 06:43:08	जन्म समय	06:42:33 घंटे
घटी 60:01:57	जन्म समय(घटी)	60:01:55 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:42:21	सूर्योदय	06:41:46
17:28:24	सूर्यास्त	17:28:46
23:49:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:51

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 9वर्ष 2मा 9दि	27:04:38	तुला	लग्न	तुला	26:18:09	चन्द्र 8वर्ष 0मा 27दि
मंगल	27:52:24	तुला	सूर्य	तुला	27:05:51	राहु
24/01/2023	20:32:16	मेष	चंद्र	वृष	12:33:58	11/12/2015
23/01/2030	09:48:28	धनु	मंगल	कन्या	11:38:57	11/12/2033
मंगल 22/06/2023	15:22:54	वृश्चि	बुध	तुला	08:08:02	राहु 23/08/2018
राहु 09/07/2024	20:26:17	मक	गुरु व	वृष	14:17:00	गुरु 16/01/2021
गुरु 15/06/2025	14:39:59	धनु	शुक्र	धनु	06:05:04	शनि 23/11/2023
शनि 25/07/2026	20:37:31	मीन व	शनि व	वृष	04:09:09	बुध 11/06/2026
बुध 22/07/2027	23:51:33	सिंह व	राहु व	मिथु	23:02:36	केतु 30/06/2027
केतु 18/12/2027	23:51:33	कुंभ व	केतु व	धनु	23:02:36	शुक्र 29/06/2030
शुक्र 16/02/2029	11:18:24	मक	हर्ष	मक	23:09:38	सूर्य 24/05/2031
सूर्य 24/06/2029	03:42:44	मक	नेप	मक	10:09:11	चन्द्र 22/11/2032
चन्द्र 23/01/2030	11:06:40	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:03:06	मंगल 11/12/2033

लग्न-चलित

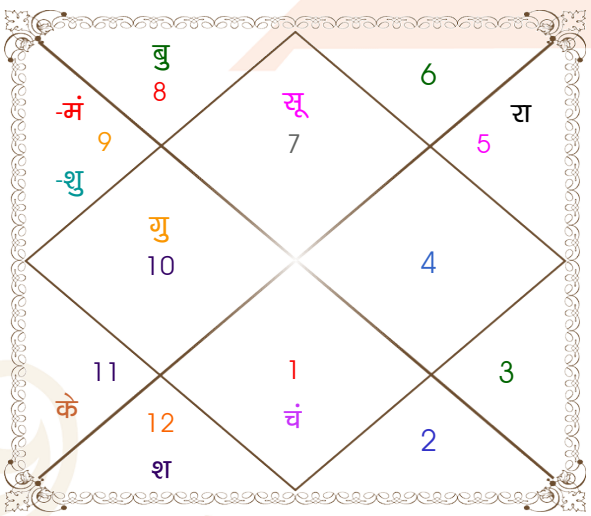

लग्न-चलित

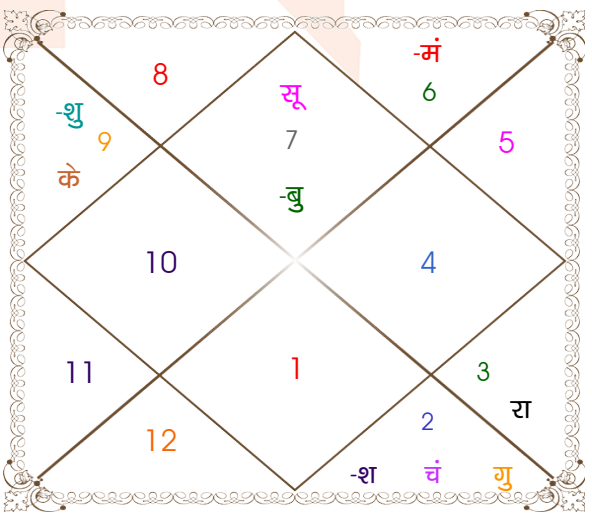

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

त्ंहीअमदकतं ळंनजंउ का वर्ग मृग है तथा टपकीनींप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार त्ंहीअमदकतं ळंनजंउ और टपकीनींप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

त्ंहीअमदकतं ळंनजंउ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

टपकीनींप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टपकीनींप कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु त्हीअमदकतं ळंनजंउ कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्हीअमदकतं ळंनजंउ तथा टपकीनेीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।